उर्वरकों के कुशल और संतुलित उपयोग (नैनो- फर्टिलाइज़र्स सहित) पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में किसान जागरूकता अभियान सह प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

रसायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से जमीन की उर्वराशक्ति क्षीण हो रही है । वहीं यह पर्यावरण असंतुलन बढ़ाने की भी वजह बन रही है । निश्चित ही बढ़ रहे रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग से पैदावार भी बड़ी है, पर खेत, खेती और पर्यावरण पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। फसल पैदावार और उत्पादन लाभ दोनों मे वृद्धि के दृष्टिकोण से कृषि में युक्तिपूर्ण एवं संतुलित उर्वरको का उपयोग अतिआवश्यक है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा "उर्वरकों के कुशल और संतुलित उपयोग (नैनो-उर्वरक सहित)" विषय पर कृषक जागरूकता अभियान सह मृदा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन दिनांक 21 जून, 2022 को किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ वी वी सदामते, योजना आयोग (वर्तमान निति आयोग) के पूर्व सलाहकार (कृषि), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निदेशक, डॉ आशुतोष उपाध्याय, सभी प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष डॉ ऐ के चौधरी, डॉ कमल शर्मा एवं डॉ अभय कुमार के द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ सदामते ने अपने सम्बोधन भाषण में कृषि का व्यवसायिक परिदृश्य, मृदा परीक्षण की जरुरत, उर्वरकों का कुशल एवं समयबद्धतापूर्ण उपयोग एवं वैज्ञानिकों एवं किसानों को एक साथ मिलकर कार्य करने पर जोर देते हुए किसानों को जागरूक किया।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में उर्वरकों के संतुलित उपयोग के महत्व के सम्बन्ध में डॉ आशुतोष उपाध्याय ने जानकारी देते हुये बताया कि पोषक तत्वों के संतुलित प्रबंधन के लिए 5R पद्धति जैसे कि सही स्रोत, सही मात्रा, सही सही स्थान, सही समय एवं सही संयोजन का प्रयोग करते हुए किसानबंधु मृदा को लम्बे समय तक स्वस्थ रख अधिक उपज ले सकते है।

विभिन्न प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष डॉ ऐ के चौधरी, डॉ कमल शर्मा एवं डॉ अभय कुमार ने अपने अनुभवों को साझा करते हुये पुराने समय में होने वाली खेती व आज के समय की खेती में तुलनात्मक रूप से विषय पर चर्चा करते हुये बताया कि किसान भाई प्रायः अधिक खाद देने और उसमें भी विशेष रूप से यूरिया के प्रयोग पर विशेष जोर देते है, जिससे मृदा का निरंतर निरंतर क्षरण हो रहा है। अतः इन्होंने मृदा में उर्वरकों के कुशल उपयोग पर परामर्श देते हुए किसानों को माइक्रो एवं नैनो फर्टीलिज़ेर्स के उपयोग एवं लाभ के बारे में अवगत कराया।

इस कार्यक्रम में लगभग 60 किसान प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज की । इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन डॉ सुरजीत मंडल, डॉ कीर्ति सौरभ एवं इंजीनियर आरती कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत मे डॉ. कीर्ति सौरभ ने मुख्य अतिथि, निदेशक महोदय, सभी विभागाध्यक्ष एवं व कृषक भाइयों को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

(स्रोत: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना)